an>

Title: Need to provide revival package to small scale secondary steel industries.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार का ध्यान पंजाब में स्थिति लुधियाना और मण्डी गोविन्दगढ़ की स्टील इंडस्ट्री की तरफ लेकर जाना चाहता हूं। पिछले दिनों जब राहुल जी पंजाब गए, वहां के बेहाल किसानों का हाल-चाल पूछने गए, तब मण्डी गोविन्दगढ़ में स्माल स्केल सेकेंडरी स्टील इंडस्ट्री का एक बहुत बड़ा डेलीगेशन आया। जब उनको पता चला कि राहुल जी यहां आए हैं तो सारे इंडस्ट्री वाले राहुल जी से मिलने आए और उन्होंने अपना दुखड़ा सुनाया कि जो स्क्रैप बेस्ड इंडस्ट्री है, वह या तो बंद हो चुकी है या बंद होने की कगार पर है। इसके कारण शहरों के आस-पास गांवों में बहुत से नौजवान बेरोजगार हुए, जिसकी वजह से क्राइम रेट भी बढ़ा। जैसा...□ ने भी बोला है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : किसी का नाम मत लीजिए। आप अपनी बात बोलिए।

श्री रवनीत सिंह : मैडम, यह कोई गलत बात नहीं है।

माननीय अध्यक्ष : जो यहां नहीं हैं, उनके नाम मत लीजिए। आप अपनी बात बोलिए।

श्री रवनीत सिंह : वहां का 80 प्रतिशत नौजवान ड्रग्स पर हैं। अच्छा होता कि मंत्री जी श्रीमती हरसिमरत कौर बादल उसकी बात करतीं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी बात कहिए।

श्री रवनीत सिंह : हर मां-बाप का सपना होता है कि उनके बच्चों को रोजगार मिले, रोजगार का मौका मिले। जो स्माल स्केल इंडस्ट्री है, वह देश की इकोनॉमी की रीढ़ की हड्डी है। यह सेक्टर लोगों को रोजगार देने के साथ-साथ एक्सपोर्ट सेक्टर में भी बहुत बड़ा हिस्सा देता है।

मैडम, आज चीन के सस्ते उत्पादनों से हमारी स्माल स्केल इंडस्ट्री को बहुत बड़ा खतरा पैदा हो रहा है। दूसरी तरफ हमारी जो बड़ी स्टील इंडस्ट्रीज हैं, उनसे भी इन्हें खतरा हो रहा है।

माननीय अध्यक्ष: आप इस उद्योग को रिवाइवल पैकेज देने की बात कर रहे हैं

श्री रवनीत सिंह: बिल्कुल ठीक बात है।

माननीय अध्यक्ष: यहां पर पूरे हिन्दुस्तान की बात न करके आप अपने यहां की स्टील इंडस्ट्री की बात करें।

श्री रवनीत सिंह: प्रधान मंत्री जी का 'मेक इन इंडिया' का नारा है, तो यह भी नारा हम देते हैं कि - हर हाथ को मिले काम और काम का मिले उचित दाम। इसलिए इस इंडस्ट्री को जीवित रखने के लिए सरकार से विनती है कि मैटीरियल स्क्रैप, रीसेलेबल स्क्रैप के ऊपर कस्टम ड्यूटी जीरो प्रतिशत की जाए। हमारे यहां बहुत ज्यादा फिनिश्ड स्टील डम्प हो रहा है इसलिए एंटी डम्पिंग ड्यूटी लगाई जाए। अभी एक्साइज ड्यूटी में छूट 1.5 करोड़ रुपए है, उसे बढ़ाकर पांच करोड़ रुपए किया जाए। इन पर 12 प्रतिशत एक्साइज ड्यूटी लगती है, जो छोटी इंडस्ट्रीज हैं, उनके लिए उसे 12 प्रतिशत से घटाकर छः प्रतिशत किया जाए।